

20/8/24

पत्रावली पेशा दूरी व कुलाय पारी क प्रकण  
 वशील वाही को प्रतिवाही शोभा नी नामिल  
 पेशा कदु है, न पथलि अवसर हिना  
 ला नका है, लेकिन पथलि अवसर हिना  
 मान के बावजूद भी आज हिना क नक  
 नामिल की रकीर पेशा वही की।  
 अतः वाही प्रवाह अंगन अहि श उ  
 नियम के तहत आरिन किया जा रहा है।  
 पत्रावली काल आगार हाकू नकर हा  
 कम होकर हा मिले हुए नर है।



यू.ए.  
 ए.ए.  
 11/11